मंगलवार, 18 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

रवींद्र जडेजा ने 350 विकेट पूरे कर लिए

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

मलेरिया की चपेट में आए पुलकित सम्राट, 2.5 किलो मसल मास घटा

Page-05

झारखंड में छात्रों का आंदोलन

प्रदर्शन 24वें दिन भी जारी!

राहुल गांधी ने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिख प्रदर्शनकारियों से 'व्यक्तिगत रुप सें मिलने का किया आग्रह

- भर्ती परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के आरोपों को लेकर आंदोलन लगातार जारी
- राहुल गांधी ने कहा- छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से सुना जाए
- व्यक्तिगत मुलाकात से भरोसा बढ़ेगा, समकान की ग्रत्विदता होगी मजबूत

'वंदे मातरमू' विवाद में कांग्रेस घिरी!

सोनिया-राहुल पर अपमान का आरोप, दिल्ली पुलिस कर रहीं जांच

स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय के कार्यक्रम के दौरान 'वंदे मातरमू' गाए जाने में बाधा डालने का आरोप

- शिकायत के आधार पर FIR की मांग, दिल्ली पुलिस ने शुरू की जांच

एयर इंडिया की 100% टेस्टिंग में सामने आया सच

2 पायलट नशीले पदार्थों के इस्तेमाल में पाए गए संदिग्ध!

नेपाल पहुंचे भारतीय सेना प्रमुख धीरज सेठ

चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच भारत-नेपाल संबंधों को नई मजबूती

यूपी में स्टार्टअप को योगी सरकार का बड़ा तोहफ़ा

3 साल तक EPF-ESI देगी सरकार

2 करोड़ तक के ऋण पर 4% व्याज सब्सिडी, पेटेंट खर्च के लिए 50 लाख तक मदद

- स्टार्टअप के कर्मचारियों के EPF-ESI में नियोक्ता का हिस्सा सरकार उठाएगी
- सुविधा केवल पंजीकृत स्टार्टअप को, हर कर्मचारी का हिस्सा ₹21 हजार तक
- तीन साल तक मिलेगा लाभ, सरकार ने तय की स्पष्ट शर्तें
- 2 करोड़ तक के ऋण पर अधिकतम 3 साल तक 4% या कम व्याज दर पर सब्सिडी
- पेटेंट कराने के खर्च में 50 लाख रुपये तक की भरपाई का प्रावधान
- इंक्यूबेशन, मेंटरशिप, प्रोटोटाइप, 3 शिफ्ट संचालन की अनुमति
- UP में 20 हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत, रोजगार बढ़ाने पर फोकस

वंदे मातरमू पर बोले इमरान मसूद

'अल्लाह के सिवा किसी की इबादत नहीं, मैं सम्मान में खड़ा रहूंगा, गाऊंगा नही'

- कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि वह 'वंदे मातरमू' का अपमान नहीं करेंगे, इसके सम्मान में खड़े रहेंगे, लेकिन इसे नहीं गाएंगे। उन्होंने कहा कि सवियान उन्हें अपने धर्म का पालन करने का अधिकार देता है और यह अधिकार उनसे किसी भी तरह छिन नहीं जा सकता। उनके इस बयान से विवाद और गहरा गया है।

ईरान-अमेरिका तनाव

फिर चरम पर, अमेरिकी सैनिकों पर इनाम का ऐलान

ईरान ने 60 दिन की बातचीत की समयसीमा को मानने से इनकार करते हुए अमेरिका पर MoU की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाया है।तेहरान का कहना है कि बातचीत अब किसी डेडलाइन या अमेरिकी दबाव के आधार पर नहीं, बल्कि ईरान के राष्ट्रीय हित और सुरक्षा के आधार पर होगी।इसी बीच ईरानी सेना प्रमुख के अमेरिकी सैनिकों को पकड़ने या मारने पर इनाम वाले बयान ने दोनों देशों के बीच तनाव को और गंभीर बना दिया है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मिडिल-ईस्ट में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव निश्चित तौर पर बढ़ गया है। 14-पॉइंट मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग यानी MoU को लेकर तेहरान ने बड़ा बयान दिया है। ईरान ने कहा है कि 60 दिन की बातचीत अब उसके लिए मायने नहीं रखती। ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने समझौते पर हस्ताक्षर के कुछ ही समय बाद इसकी शर्तों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन किया। ऐसे में तय समय सीमा के आधार पर बातचीत आगे बढ़ाने का सवाल ही नहीं उठता। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि MoU में 60 दिनों की कोई सख्त डेडलाइन नहीं थी। यह अवधि केवल कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए तय की गई थी। इनमें प्रतिबंध हटाना और न्यूक्लियर मुद्दा शामिल था। बघाई के मुताबिक, अगर 60 दिनों में कोई समाधान नहीं निकलता, तो बातचीत का समय बढ़ाया जा सकता था। इसलिए ईरान किसी बाहरी दबाव में फैसला नहीं करेगा। उन्होंने साफ कहा कि ईरान अपनी नीतियां अल्टीमेटम या डेडलाइन के आधार पर तय नहीं करता। देश के हित और सुरक्षा उसके फैसलों का आधार हैं। बघाई ने दावा किया कि 18 जून को MoU पर हस्ताक्षर हुए थे। इसके कुछ ही हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते के टेक्स्ट का बड़े स्तर पर उल्लंघन कर दिया। इसी वजह से 60 दिन की बातचीत शुरू ही नहीं हो सकी। ईरान का कहना है कि जब समझौते की मूल शर्तों का पालन नहीं हुआ, तो तय समय सीमा का कोई मतलब नहीं बचता। तेहरान अब अपनी सुरक्षा को लेकर भी पूरी तरह सतर्क है। ईरान अपने देश पर ध्यान दे रहा है। साथ ही उसकी सेना सुरक्षा से जुड़े हर घटनाक्रम पर नजर रख रही है। साथ ही ईरान ने यह भी साफ किया है कि वह मिडिल-ईस्ट देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की कोशिश जारी रखेगा। बघाई के मुताबिक, दूसरे देशों के साथ संपर्क बढ़ाना विदेश मंत्रालय की नियमित जिम्मेदारी है। इस बीच ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद ग़ालिबफ ने भी अमेरिका और इजरायल के खिलाफ तेहरान के रुख को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि ईरान ने हालिया संघर्ष में सैन्य और राजनीतिक दोनों मोर्चों पर जीत हासिल की है।ग़ालिबफ़ ने ईरान-अमेरिका MoU को भी कूटनीतिक सफलता का प्रतीक बताया। उनका कहना है कि यह समझौता डिप्लोमैटिक फ्रंट पर ईरान की स्थिति मजबूत कर सकता है। इसके अलावा सबसे बड़ी खबर ये है कि ईरान के सेना प्रमुख अमीर हतामी ने अमेरिकी सैनिकों को लेकर कहा कि अमेरिकी सैनिकों को मारने या पकड़ने वाले व्यक्ति को 30 हजार डॉलर और ईरानी महिला को दोगुना यानी 60 हजार डॉलर का इनाम दिया जाएगा।

पाकिस्तान और सोमालिया ने किया रक्षा समझौता

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अफ्रीकी देश सोमालिया इन दिनों भारत के कट्टर दुश्मन पाकिस्तान का रणनीतिक साझेदार बना है। सोमालिया ने पाकिस्तान के JF-17 में भी रुचि दिखाई है। 4 अगस्त को पाकिस्तान और सोमालिया ने द्विपक्षीय रक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इस रक्षा समझौते के अनुसार, पाकिस्तान और सोमालिया आतंकवाद-विरोधी गतिविधियां, सैन्य प्रशिक्षण, नॉलेज और एक्सपीरियंस शेयरिंग और क्षमता निर्माण में एक दूसरे का सहयोग करेंगे। इस समझौते के ठीक तीन दिन बाद पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौता किया।सोमालिया अफ्रीका का एक महत्वपूर्ण देश है। इस देश की सबसे बड़ी खासियत इसका रणनीतिक स्थान पर स्थित होना है। सोमालिया हॉर्न ऑफ अफ्रीका में स्थित है। जिसकी मुख्य भूमि की तटरेखा अफ्रीका में सबसे लंबी (3,300 किमी से अधिक) है। यह देश अदन की खाड़ी और हिंद महासागर के पास स्थित है, जो एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप को जोड़ने वाले प्रमुख समुद्री व्यापार मार्ग का हिस्सा है। सोमालिया जब चाहे तब वैश्विक नौवहन के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है, खासकर लाल सागर से होने वाले व्यापार में। सोमालियाई डाकू तो पूरी दुनिया में पहले से ही कुख्यात हैं। पाकिस्तान पारंपरिक रूप से हॉर्न ऑफ अफ्रीका क्षेत्र में एक प्रमुख सुरक्षा शक्ति नहीं रहा है। यह वही क्षेत्र है, जहां सऊदी अरब और तुर्की अपनी रणनीतिक उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। इसी कारण सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के हित आपस में टकरा रहे हैं और दोनों देशों में तनाव देखने को मिल रहा है।

एलीफेंट कॉरिडोर को लेकर राज्यों को साफ निर्देश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

सुप्रीम कोर्ट ने हाथियों के आने-जाने के रास्ते यानी एलीफेंट कॉरिडोर को लेकर राज्यों को साफ निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि हाथियों के आने से फसल खराब हो रही है, उनके रास्ते में रुकावट नहीं डाली जा सकती। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि वन्यजीवों के रास्ते में किसी तरह की रुकावट नहीं होनी चाहिए। हाथियों के झुंड लंबे रास्ते तय करते हैं और यह उनकी सामान्य आदत है। किसी भी राज्य को यह कह कर उनके रास्ते में बाधा डालने की इजाजत नहीं दी जा सकती कि हाथी फसल बर्बाद कर रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के पर्यावरण मंत्रालय को देश के अलग-अलग राज्यों में मौजूद हाथी कॉरिडोर का नए सिरे से सर्वे करने का आदेश दिया है। मंत्रालय को यह बताना होगा कि इन रास्तों में कहां-कहां रुकावट है और हाथियों की बिना रुकावट आवाजाही के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय की ओर से हाथी कॉरिडोर को सुरक्षित और बिना रुकावट रखने के लिए पहले से जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। लेकिन स्थानीय कारणों से कई जगह इन रास्तों में रुकावट पैदा हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंत्रालय से यह भी बताने को कहा है कि हाथियों को भगाने के लिए फायरिंग या किसी दूसरे सख्त तरीके का इस्तेमाल कहां और कैसे किया जा रहा है।सुनवाई के दौरान वकील ने बताया कि कई बार हाथियों को लोगों की भीड़ बनाकर भगाया जाता है। इससे स्थिति और खराब हो जाती है।वकील ने कहा कि हाथियों की सामान्य आवाजाही में फायरिंग जैसे तरीकों का इस्तेमाल रोकने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही हाथियों को भगाने के लिए बनाई जाने वाली 'हुल्ला पार्टियों' पर रोक की जरूरत बताई गई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि ऐसे जरूरी कदम उठाए जाएं और इसकी जानकारी कोर्ट को दी जाए। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नाटक सरकार से कहा कि वह तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़ने के बारे में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (CWMA) के निर्देशों का पालन करे। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने पानी छोड़ने के निर्देश की मांग करने वाली तमिलनाडु की याचिका पर सुनवाई के लिए 24 अगस्त की तारीख तय की।

गाजा में हर रात 30-40 लोगों को मारने का बयान नेतन्याहू सरकार के मंत्री पर भड़का विवाद

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

इजरायल पर हमास के हमले के बाद इजरायली सेना ने हमास की कमर तोड़ने के साथ ही गाजा पर बमबारी कर उसे खंडहर में तब्दील करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं अब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गठबंधन सरकार में शामिल एक कट्टरपंथी सांसद ने सार्वजनिक रूप से गाजा में हर रात 30 से 40 लोगों को मारने की बात कही है। उनके इस बयान से बवाल मच गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमर बेन-ग्विर की यह टिप्पणी फलस्तीनी मीडिया में तेजी से प्रसारित हुई। इतमर बेन-ग्विर ने गाजा में पूर्व में बंधक बनाए गए रोम ब्रास्लाव्स्की के पॉडकास्ट में यह बयान दिया। दोनों सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद इजरायल के हालात पर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान बेन-ग्विर ने गाजा में इजरायल के हालिया हवाई हमलों में कमी की आलोचना की। उन्होंने कहा, "यह कोई रहस्य नहीं है कि मैं प्रधानमंत्री से असहमत हूं। मेरा मानना है कि गाजा में लोगों को निशाना बनाकर मारना चाहिए और हर रात 30 से 40 लोगों को निशाना बनाया जाना चाहिए। केवल उन लोगों को नहीं, जो तत्काल खतरा हैं, वहां कुछ ऐसे लोग भी हैं जो जीने के लायक नहीं हैं। उन्हें जीवित नहीं छोड़ना चाहिए।" बेन-ग्विर और अन्य इजरायली अधिकारियों के इस तरह के बयानों की पहले भी व्यापक स्तर पर आलोचना होती रही है। कई ऐसे बयानों को नरसंहार की मंशा के सबूत के तौर पर संयुक्त राष्ट्र की विश्व अदालत के समक्ष भी पेश किया गया है। हालांकि, इजरायल गाजा में नरसंहार के आरोपों से इनकार करता है। बेन-ग्विर के पास इजरायल की सेना को सीधे हमले का आदेश देने का अधिकार नहीं है, लेकिन वह देश के प्रभावशाली नेताओं में शामिल हैं। वह इजरायल की जेलों और राष्ट्रीय पुलिस सहित सुरक्षा तंत्र के महत्वपूर्ण हिस्सों की जिम्मेदारी संभालते हैं। गाजा में जारी संघर्ष के बीच इजरायल के हमलों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है। वहीं, हमास के खिलाफ युद्ध को लेकर संघर्षविराम की कोशिशें भी जारी हैं।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा मिसाइल हमला, आर्सेलरमित्तल स्टील प्लांट में 2 की मौत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अगस्त यूक्रेन में आर्सेलरमित्तल इस्पात संयंत्र पर रूसी मिसाइल हमले में दो लोगों की मौत हो गई। इस हमले के कारण भारत के अरबपति उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल के स्वामित्व वाले यूक्रेन के सबसे बड़े इस्पात संयंत्र का संचालन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ। मध्य यूक्रेन के क्रिवी रीह में स्थित 'पब्लिक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी' (पीजेएससी) आर्सेलरमित्तल क्रिवी रीह ने रविवार रात संयंत्र पर हुए मिसाइल हमले की कड़ी निंदा की। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि उसके संयंत्र को "आक्रामक देश की ओर से मिसाइल हमले" का निशाना बनाया गया। शुरुआत में कंपनी ने हमले में एक व्यक्ति की मौत और 13 कर्मचारियों एवं ठेकेदारों के घायल होने की पुष्टि की थी। बाद में कंपनी ने "दुश्मन के मिसाइल हमले" के संबंध में नया बयान जारी किया। कंपनी ने कहा, "दुर्भाग्य से, हमले में दूसरा शव भी मलबे से निकाला गया है। अब तक इस हमले में दो लोगों की मौत हो चुकी है।" कंपनी ने बताया कि बचाव और तलाश अभियान जारी है। आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना लागू कर दी गई है। दमकलकर्मी, श्रम सुरक्षा विभाग के कर्मचारी, बचावकर्मी और चिकित्सा दल घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। मिसाइल हमले में प्रभावित लोगों को शहर के चिकित्सा संस्थानों में सभी आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि उसके घायल कर्मचारियों और प्रभावित लोगों के परिवारों के प्रति उसकी पूरी संवेदना है। उसने बताया कि हमले में ऊर्जा और 'ब्लास्ट फर्नेस' उत्पादन से जुड़ी मुख्य उत्पादन इकाइयां क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिसके कारण संयंत्र की उत्पादन प्रक्रियाएं आंशिक रूप से रोक दी गई हैं। कंपनी ने कहा कि फिलहाल विशेषज्ञ नुकसान का आकलन कर रहे हैं और उत्पादन दोबारा शुरू करने की संभावनाओं तथा इसमें लगने वाले समय का आकलन किया जा रहा है। उसने जोर देकर कहा कि उसका संयंत्र खनन एवं धातुकर्म उद्योग से जुड़ा एक असैन्य प्रतिष्ठान है और उसने इस तरह के हमलों की कड़ी निंदा की। यह संयंत्र इससे पहले भी 2022 में रूसी हमले का निशाना बन चुका है। कंपनी ने बताया कि उस हमले में एक रोलिंग मिल नष्ट हो गई थी और उसके एक कर्मचारी की मौत हो गई थी। यूक्रेन की सबसे बड़ी एकीकृत इस्पात कंपनी और रणनीतिक आर्थिक एवं सुरक्षा प्रतिष्ठान के रूप में आर्सेलरमित्तल क्रिवी रीह ने कहा कि रविवार के हमले से जुड़ी आगे की जानकारी "युद्धकालीन परिस्थितियों की आवश्यकताओं के अनुरूप" उपलब्ध कराई जाएगी।

संपादक की कलम से

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत केवल यह नहीं है कि संसद में कानून बनाए जाते हैं, बल्कि यह भी है कि उन कानूनों पर खुलकर बहस होती है, सरकार से सवाल पूछे जाते हैं और विपक्ष जनता की चिंताओं को सदन के भीतर मजबूती से उठाता है। लेकिन हाल ही में समाप्त हुए संसद के मानसून सत्र ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी संसद अपने मूल उद्देश्य—सार्थक संवाद और लोकतांत्रिक जवाबदेही—को पूरी तरह निभा पा रही है?20 जुलाई से शुरू हुआ मानसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त हुआ। इस दौरान 12 विधेयक दोनों सदनों से पारित हुए। सरकार के नजरिए से यह विधायी कामकाज की उपलब्धि हो सकती है, लेकिन विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो सकी।संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष का मतभेद लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी स्वाभाविक प्रक्रिया है। समस्या तब पैदा होती है जब मतभेद संवाद की जगह टकराव में बदल जाएं। सत्ता पक्ष का यह दायित्व है कि वह विपक्ष के सवालों को केवल राजनीतिक विरोध समझकर खारिज न करे और विपक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह हर मुद्दे को हंगामे और नारेबाजी तक सीमित न करे।आज देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, युवाओं की परीक्षाओं में पारदर्शिता, किसानों की आय, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और राज्यों के अधिकार जैसे अनेक गंभीर प्रश्न हैं। इन सवालों का जवाब सड़क पर होने वाले राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि संसद में होने वाली गंभीर चर्चा से मिलना चाहिए। हाल के दिनों में युवाओं और भर्ती परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन भी सामने आए हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि रोजगार और परीक्षा व्यवस्था का सवाल केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की चिंता है।संसद की कार्यवाही केवल विधेयक पारित करने की मशीनरी नहीं हो सकती। कानून जितनी व्यापक चर्चा और विभिन्न पक्षों की भागीदारी से बनेगा, उसकी स्वीकार्यता उतनी ही मजबूत होगी। समितियों में भेजना, विशेषज्ञों की राय लेना और विपक्ष के संशोधनों पर विचार करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है।सरकार को भी यह समझना होगा कि बहुमत कानून पारित कराने की शक्ति तो देता है, लेकिन लोकतांत्रिक सहमति बनाने की जिम्मेदारी भी देता है। दूसरी ओर विपक्ष को यह तय करना होगा कि उसका विरोध ऐसा हो जिससे संसद की कार्यवाही बाधित होने के बजाय जनता की आवाज और अधिक प्रभावी ढंग से सामने आए।देश को ऐसी संसद चाहिए जहां सरकार अपनी उपलब्धियां बताए, विपक्ष अपनी कमियां गिनाए और दोनों पक्ष तथ्यों के आधार पर जनता के सवालों का जवाब दें। शोर से राजनीति गर्म हो सकती है, लेकिन लोकतंत्र मजबूत नहीं होता। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब असहमति के बावजूद संवाद जारी रहता है।आज जरूरत इस बात की है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संसद को राजनीतिक अखाड़ा बनाने के बजाय जनहित की प्रयोगशाला बनाएं। क्योंकि संसद में होने वाली हर बहस अंततः देश के नागरिक के जीवन को प्रभावित करती है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान भाजपा ने अनेक नेताओं को केंद्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी

अपनी नई टीम को लेकर भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा- "भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। अनुभव और ऊर्जा से समृद्ध यह टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संगठन को नई गति प्रदान करेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि टीम के सभी सदस्य, कार्यकर्ता भाव से संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हुए 'विकसित भारत' के संकल्प और राष्ट्रसेवा के ध्येय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।"

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को उनकी नई टीम मिल गई है। सोमवार को भाजपा ने अनेक नेताओं को केंद्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी है। नितिन नवीन की नई टीम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का नाम भी शामिल है। नितिन नवीन की नई टीम में इन्हें बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिली है। लिस्ट में पीयूष गोयल का भी नाम है जिन्हें राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। आइए जानते हैं कि भाजपा की नई टीम में किस नेता को क्या जिम्मेदारी दी गई है। नितिन नवीन की नई टीम में वसुंधरा राजे सिंधिया को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, तीरथ सिंह रावत उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। राम माधव उपाध्यक्ष बनाए गए हैं, बैजयंत जय पांडा भी उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। रेखा वर्मा को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है। विनोद तावड़े को जनरल सेक्रेटरी बनाया गया है। स्मृति ईरानी को जनरल सेक्रेटरी बनाया गया है। सतीश पुनिया, गजेंद्र पटेल भी महामंत्री होंगे। हरीश द्विवेदी, संजय भाटिया भी महामंत्री बनाए गए हैं। बीएल संतोष जनरल सेक्रेटरी ऑर्गेनाइजेशन बने रहेंगे। आपको बता दें कि नितिन नवीन की नई टीम में 3 पूर्व मुख्यमंत्रियों को जगह मिली है। इनमें उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शामिल हैं। नितिन नवीन की टीम में हरीश द्विवेदी महामंत्री बनेंगे। अगले साल यूपी में चुनाव है- ऐसे में बस्ती से आने वाले हरिश द्ववेदी ब्राह्मण चेहरा रहेंगे। विनोद तावड़े, सुनील बंसल नितिन नवीन की टीम में रहेंगे। नितिन नवीन की टीम में संजय भाटिया को भी जगह मिल रही है। हरियाणा से आने वाले संजय भाटिया ABVP से जुड़े रहे हैं। मनोहर लाल खट्टर के करीबी हैं। वहीं, गुजरात के वडोदरा से लोकसभा सांसद हेमांग जोशी का जबरदस्त प्रमोशन हो रहा है। नितिन नवीन की नई टीम में इन्हें बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिल रही है। हिमांग जोशी को यूथ को पार्टी के करीब लाने की जिम्मेदारी मिलेगी। बीजेपी अपने अगले मिशन के लिए नितिन नवीन की टीम तैयार कर दी है। 7 महीने पहले पार्टी की कमान संभालने वाले नितिन नवीन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। सबसे पहली अग्निपरीक्षा 2027 में होने वाली है। उत्तर प्रदेश का इलेक्शन सबसे बड़ा चैलेंज होगा। ताकि बीजेपी यूपी में जीत की हैट्रिक लगा सके। नितिन नवीन की टीम के सामने तीन बड़े चैलेंज होंगे। आपको बता दें कि 2027 में यूपी समेत 7 राज्यों में चुनाव हैं। 2028 में मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटिक, तेलंगाना समेत 9 राज्यों में इलेक्शन है। इसके बाद सबसे बड़ा चैलेंज होगा 2029 का क्योंकि 2029 में लोकसभा चुनाव होने हैं। भाजपा की नई टीम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- "भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ ही उन सभी साथियों को बहुत-बहुत बधाई, जिन्हें पार्टी में अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस ऊर्जावान टीम के पास जहां संगठन का भरपूर अनुभव है, वहीं जमीनी जुड़ाव भी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे ये साथी पूरे समर्पित भाव से पार्टी को मजबूत करने के साथ ही जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। सभी को मेरी ढेर सारी शुभकामनाएं।"

नासिक के प्रभारी मंत्री पद को लेकर महायुति में लंबे समय से चल रहा विवाद अब खत्म

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ महायुति में रायगढ़ और नासिक के संरक्षक मंत्री (प्रभारी मंत्री) पद को लेकर करीब एक साल आठ महीने से चला आ रहा विवाद आखिरकार खत्म होता नजर आ रहा है। रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री पद पर शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता भरत गोगावले की नियुक्ति की गई है, जबकि नासिक जिले की जिम्मेदारी बीजेपी के वरिष्ठ नेता गिरीश महाजन को सौंपी गई है। लंबे समय से दोनों जिलों के प्रभारी मंत्री पद को लेकर महायुति में शामिल बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी के बीच खींचतान चल रही थी। vइस फैसले को महायुति के भीतर सत्ता संतुलन साधने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। खासकर रायगढ़ में शिवसेना (शिंदे गुट) के भरत गोगावले और एनसीपी (सुनेत्रा पवार) की अदिति तटकरे के बीच प्रभारी मंत्री पद को लेकर लंबे समय से रस्साकशी चल रही थी। दरअसल, मुख्यमंत्री के तौर पर तीसरी बार शपथ लेने के एक महीने बाद ही 18 जनवरी 2025 को देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के नए प्रभारी मंत्रियों की सूची जारी की थी। तब रायगढ़ की जिम्मेदारी एनसीपी की नेता व महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे को और नासिक की जिम्मेदारी बीजेपी नेता गिरीश महाजन को सौंपी गई थी। लेकिन सूची जारी होते ही दोनों जिलों में महायुति के भीतर विरोध शुरू हो गया। रायगढ़ में शिवसेना के मंत्री भरत गोगावले के समर्थकों ने अदिति तटकरे को प्रभारी मंत्री बनाए जाने का विरोध किया। वहीं, नासिक में शिवसेना के नेता दादा भुसे के समर्थक गिरीश महाजन को प्रभारी मंत्री बनाए जाने से भड़क गए। विवाद इतना बढ़ा कि मुख्यमंत्री को दोनों जिलों के प्रभारी मंत्री पदों पर किए गए फैसले को 24 घंटे में ही स्थगित करना पड़ा। इसके बाद से ही रायगढ़ और नासिक का मामला महायुति सरकार के लिए लगातार चुनौती बना हुआ था। रायगढ़ के प्रभारी मंत्री पद पर शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से भरत गोगावले लगातार दावेदारी कर रहे थे। दूसरी ओर एनसीपी युवा नेता अदिति तटकरे के लिए जोर दे रही थी। इस मुद्दे को लेकर महायुति के शीर्ष नेताओं के बीच कई बार चर्चा हुईरायगढ़ के प्रभारी मंत्री पद को लेकर विवाद के बीच अदिति तटकरे ने हाल ही में कहा था कि अगर भरत गोगावले को जिम्मेदारी दी गई तो वह भी शुभकामनाएं देंगी। उन्होंने कहा था कि यह सिर्फ एक पद है और इससे ज्यादा जरूरी जिले का विकास है। रायगढ़ के संबंध में मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री मिलकर फैसला करेंगे। इसके बाद अब भरत गोगावले को जिम्मेदारी मिलने से शिंदे गुट को कोंकण क्षेत्र में बड़ी राजनीतिक बढ़त मिली है।

अमित मालवीय की जगह लेंगे

दीपक म्हास्के को बीजेपी का नया आईटी सेल प्रमुख नियुक्त किया गया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ के एक कम चर्चित राजनीतिक ऑर्गनाइज़र, दीपक म्हास्के को अपनी IT सेल का नया प्रमुख नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से वे पार्टी के डिजिटल कामकाज के केंद्र में एक राष्ट्रीय भूमिका में आ गए हैं। बीजेपी के सोशल-मीडिया रणनीतिकार के तौर पर म्हास्के का प्रोफेशनल बैकग्राउंड कुछ अलग तरह का है। उनके करियर में केमिस्ट्री के प्रोफेसर के तौर पर काम करना, खेती और बागवानी के क्षेत्र में काम, चुनावी डेटा का विश्लेषण, एक सरकारी कंपनी के बोर्ड में पद और छत्तीसगढ़ सरकार में एक सीनियर भूमिका शामिल रही है। वे कई वर्षों से छत्तीसगढ़ में बीजेपी के संगठन से भी जुड़े रहे हैं।1968 में जन्मे म्हास्के ने केमिस्ट्री में MSc की है, साथ ही सीमेंट टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग का सर्टिफाइड कोर्स भी किया है। इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (EIL) को दी गई अपनी प्रोफ़ाइल के अनुसार, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत कॉलेज में केमिस्ट्री प्रोफ़ेसर के तौर पर की थी और बाद में वे खेती-बाड़ी के क्षेत्र में आ गए; उन्हें बागवानी और ऑर्गेनिक खेती का तीन दशक से ज़्यादा का अनुभव है। उन्होंने कुछ समय के लिए सड़क निर्माण के क्षेत्र में भी काम किया। इसके बाद उनके करियर ने राजनीति और डेटा से जुड़े काम का रूप ले लिया। EIL की प्रोफ़ाइल में बताया गया है कि म्हास्के की डेटा इकट्ठा करने और उसका विश्लेषण करने में खास दिलचस्पी है, खासकर चुनावी डेटा और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से जुड़े डेटा में। इसमें यह भी कहा गया है कि उनके तैयार किए गए रिपोर्ट निजी और सरकारी एजेंसियों को सौंपे गए और उनका इस्तेमाल भी किया गया। म्हस्के की लिंक्डइन प्रोफ़ाइल से पता चलता है कि वे 2009 से ही बीजेपी के छत्तीसगढ़ आईटी सेल से जुड़े रहे हैं और उन्हें छत्तीसगढ़ में बीजेपी का राज्य प्रवक्ता बताया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने से पहले, उन्होंने पार्टी के राज्य-स्तरीय राजनीतिक माहौल में कई साल काम किया है। म्हस्के के पास कॉर्पोरेट और पब्लिक-सेक्टर का भी अनुभव है। उन्हें नवंबर 2021 में इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (EIL) का नॉन-ऑफिशियल इंडिपेंडेंट डायरेक्टर नियुक्त किया गया था। EIL, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत एक सरकारी इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी और इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन कंपनी है। उन्हें मार्च 2025 में दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किया गया था। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, EIL बोर्ड में उनका कार्यकाल इस मार्च में समाप्त हुआ। बोर्ड में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने ऑडिट कमेटी, CSR कमेटी, रिस्क मैनेजमेंट कमेटी और नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमेटी जैसी कमेटियों में काम किया। उनके EIL प्रोफ़ाइल में सामाजिक-कल्याण पहलों में उनकी भागीदारी का भी ज़िक्र है, जिनमें 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', हेल्थ कैंप, ग्रामीण लाइब्रेरी और ग्रामीण इलाकों में डिजिटल ट्रांज़ैक्शन के बारे में जागरूकता बढ़ाने की कोशिशें शामिल हैं।

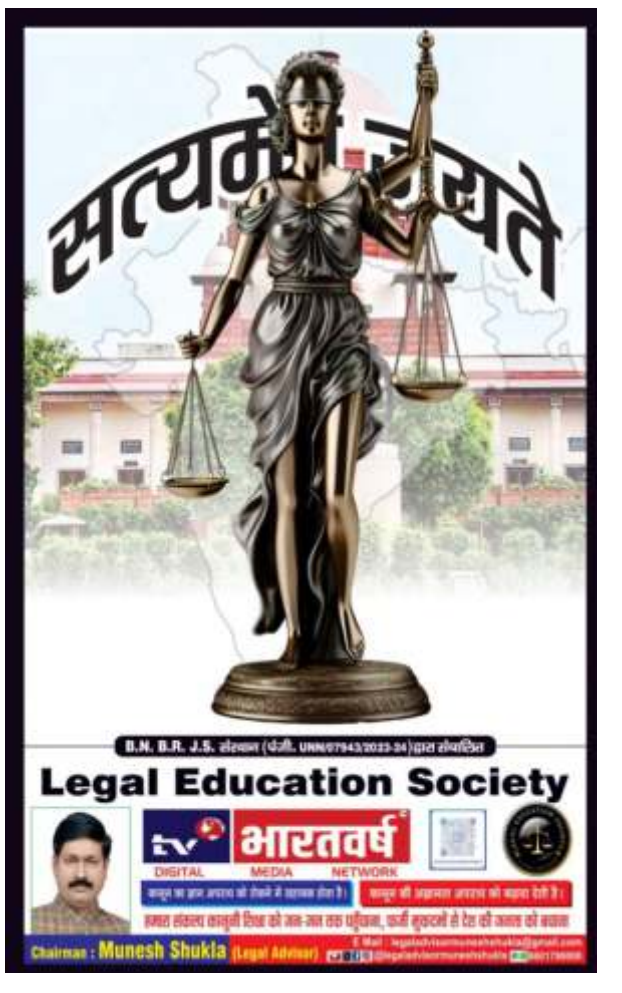

भारतीय टैलेंट के लिए रूस ने खोले दरवाजे

बिना कोटे के वीजा से नौकरी और परमानेंट रेजिडेंसी का मौका

रूस को टैलेंटेड साइंटिस्ट, आंत्रप्रेन्योर, इंजीनियर, आर्टिस्ट, एथलीट और अलग-अलग फील्ड के स्किल वर्कर्स की जरूरत है। इसके लिए वह एक खास वीजा लेकर आया है, जिसका नाम टैलेंट वीजा है। इस वीजा को भारतीय वर्कर्स को भी दिया जा रहा है, जो रूस में जाकर नौकरी करना चाहते हैं। वैसे तो रूस का टैलेंट वीजा वाला ये प्रोग्राम 15 अप्रैल, 2026 से शुरू हुआ था, लेकिन अब इसके लिए आवेदन प्रोसेस शुरू कर दिया गया है। इस नई योजना के तहत, रूस के लिए 'जरूरी' माने जाने वाले विदेशी नागरिक बिना किसी कोटा सीमा के और बिना रूसी भाषा, इतिहास व कानून की परीक्षा दिए आसानी से टेंपरेरी या परमानेंट रेसिडेंसी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। ग्लोबल इमिग्रेशन लॉ फर्म फ्रेगोमेन ने इस नए वीजा को रूस के लिए जरूरी बताया है। आइए जानते हैं कि रूस का टैलेंट वीजा क्या है और इसे किन लोगों को दिया जा सकता है। टैलेंट वीजा के तहत, सबसे पहले भारतीय नागरिक को रूस के लिए जरूरी शख्स के रूप में मान्यता हासिल करने के लिए अप्लाई करना होगा।

एक बार मान्यता मिलने के बाद, आवेदक सामान्य कोटे के बिना और स्टैंडर्ड भाषा, इतिहास और रूसी कानून का एग्जाम से जुड़े डॉक्यूमेंट के बिना टेंपरेरी रेजिडेंस परमिट (TRP) के लिए अप्लाई कर सकता है।

आवेदक पहले टेंपरेरी रेजिडेंस हासिल किए बिना सीधे रूसी रेजिडेंस परमिट के लिए भी अप्लाई कर सकता है।

रूसी सरकार ने मान्यता प्राप्त आवेदकों और उनके उन परिवार के सदस्यों के लिए

एक साल तक के मल्टीपल-एंट्री बिजनेस वीजा का भी प्रावधान किया है, जिन्हें रूस में एंट्री के लिए वीजा की जरूरत होती है। रूस का टैलेंट वीजा स्किल वर्कर वीजा के बिल्कुल अलग है। सरकार के मुताबिक, अगर कोई निम्नलिखित कैटेगरी में आता है और उसने इसमें कोई उपलब्धि हासिल की है, तो वह आराम से टैलेंट वीजा हासिल कर सकता है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी
मैन्यूफेक्चरिंग
स्पोर्ट्स
क्रिएटिव इंडस्ट्रीज
कल्चर एंड ह्यूमैनिटीज
एजुकेशन
बिजनेस एंड आंत्रप्रेन्योरशिप

रूस के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए जरूरी माने जाने वाले अन्य क्षेत्र भी टैलेंट वीजा के तहत आते हैं। इसमें हाई डिमांड वाले प्रोफेशन, क्वालिफिकेशन और स्किल भी शामिल हैं। उदाहरण के लिए, सरकार के आदेश में विशेष रूप से कुछ आंत्रप्रेन्योर, साइंटिस्ट, खिलाड़ियों, कल्चरल प्रोफेशनल्स और शीर्ष रैंक वाली यूनिवर्सिटीज से पढ़ने वाले ग्रेजुएट्स के लिए रास्ता तैयार किया गया है। मैन्यूफेक्चरिंग, खनन, परिवहन, पर्यटन, कंस्ट्रक्शन, दूरसंचार, आईटी और डेटा प्रोसेसिंग, एजुकेशन, हेल्थकेयर, कृषि, पर्यावरण सेवाएं और ऊर्जा जैसी फील्ड के प्रोफेशनल्स भी टैलेंट वीजा पा सकते हैं। अगर उनके पास सही एजुकेशन और वर्क एक्सपीरियंस है। इनमें से कुछ डिमांड वाली जॉब्स के लिए, नियमों के तहत कम से कम पांच साल का वर्क एक्सपीरियंस और कैटेगरी के आधार पर संबंधित हायर एजुकेशन होना भी जरूरी है। रूस के इस टैलेंट वीजा के तहत योग्य आवेदक बिना किसी कोटे के 3 साल के TRP के लिए अप्लाई कर सकते हैं या चाहें तो सीधे पक्के परमानेंट रेजिडेंसी के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं। इसके अलावा, इस योजना में काम करने को लेकर भी बड़ी राहत दी गई है। इसके तहत कंपनियां बिना किसी खास सरकारी अनुमति के इन विदेशी नागरिकों और उनके परिवार के सदस्यों को सीधे नौकरी पर रख सकती हैं। साथ ही, जब तक उनके रेजिडेंसी आवेदन पर विचार चल रहा है, तब तक वे बिना किसी अलग वर्क परमिट के आसानी से काम करना भी शुरू कर सकते हैं।

16 वर्षीय लक्ष्मणन मेय्यप्पन ने दुनिया के सबसे कम उम्र के पुरुष चार्टर्ड अकाउंटेंट बनकर इतिहास रच दिया

जिस उम्र में ज्यादातर किशोर अपने करियर की दिशा तय करने में लगे होते हैं, उस उम्र में लक्ष्मणन मेय्यप्पन ने प्रोफेशनल अकाउंटिंग की पढ़ाई पूरी कर नया रिकॉर्ड बना दिया। मेय्यप्पन ने महज 16 वर्ष और 141 दिन की उम्र में दुनिया के सबसे युवा पुरुष चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का गौरव हासिल किया है। उनकी इस शानदार और ऐतिहासिक उपलब्धि को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने भी आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी है। मेय्यप्पन के इस सफर की शुरुआत कोविड-19 महामारी के दौरान हुई थी जब उन्होंने अपनी 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा पूरी की थी। 15 साल की उम्र में उन्होंने एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स (ACCA) की पढ़ाई शुरू की और लगभग एक वर्ष के भीतर ही इसे पूरा कर लिया। मेय्यप्पन की मां भी खुद एक ACCA प्रोफेशनल हैं और उन्होंने लॉकडाउन के दौरान मेय्यप्पन को अकाउंटिंग की बुनियादी बातें सिखाई थीं जिसके बाद उन्होंने इसी क्षेत्र में आगे बढ़ने का फैसला किया। इतनी कम उम्र में ACCA पूरा करने के बाद भी मेय्यप्पन का सफर रुका नहीं। इसके बाद उन्होंने CFA चार्टर हासिल किया और वर्तमान में वे फाइनेंस में MSc की डिग्री ले रहे हैं। इसके साथ ही वे दुबई की प्रमुख कंपनी सेंचुरी फाइनेंशियल में सीनियर रिसर्च एनालिस्ट के पद पर कार्यरत हैं जहां वे निवेश, अनुसंधान और वित्तीय बाजारों के विश्लेषण से जुड़े काम संभालते हैं। पढ़ाई और फाइनेंस की जटिल दुनिया के अलावा मेय्यप्पन की अन्य रचनात्मक कार्यों में भी काफी रुचि है। वे अपने खाली समय में कलाई की घड़ियों को डिजाइन करने और उन्हें बनाने का शौक भी रखते हैं। Guinness World Record में नाम दर्ज होने पर मेय्यप्पन ने कहा कि यह मुकाम उनके लिए बहुत खास है लेकिन उन्होंने कभी भी पढ़ाई को किसी दौड़ की तरह नहीं देखा। उनका मानना है कि वास्तविक दुनिया में फाइनेंस कैसे काम करता है इसे समझना और खुद को समय के अनुकूल बनाना सबसे जरूरी है।

श्रीलंका के खिलाफ उड़ते हुए गिल का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल

स्पेन की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 21 जीत दर्ज कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

स्पेन की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 21 जीत दर्ज कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। फिनलैंड को आठ विकेट से हराकर स्पेन ने यह खास उपलब्धि हासिल की। यह मुकाबला 2028 टी20 विश्व कप के लिए यूरोप उप-क्षेत्रीय क्वालीफायर सी में स्पेन का पहला मैच था। फिनलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131 रन का लक्ष्य दिया था। स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और लगातार जीत का सिलसिला 21 मुकाबलों तक पहुंचा दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार, स्पेन की यह लगातार 21वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत है। उसका यह सिलसिला फरवरी 2023 में आइल ऑफ मैन के खिलाफ जीत से शुरू हुआ था। इसके बाद टीम ने जर्सी, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, ग्रीस और फिनलैंड जैसी यूरोपीय टीमों को लगातार हराया है। साल 2025 का अंत भी स्पेन ने लगातार 20 जीत के साथ किया था और 2026 में अपने पहले ही आधिकारिक मुकाबले में जीत दर्ज कर नया रिकॉर्ड बना दिया। गौरतलब है कि इससे पहले पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड भी स्पेन के ही नाम था। हालांकि अब उसने अपनी उपलब्धि को और आगे बढ़ा दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने 2003-04 के दौरान लगातार 20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीते थे। रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली उस टीम ने 2003 विश्व कप तक लगातार 17 एकदिवसीय मुकाबले जीते थे और इसके बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों में भी जीत हासिल की थी। स्पेन की क्रिकेट यात्रा को देखें तो यह टीम कुछ साल पहले तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ज्यादा चर्चा में नहीं थी। स्पेन को 1992 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की संबद्ध सदस्यता मिली थी और 2017 में उसे सहयोगी सदस्य का दर्जा मिला।

यशस्वी जायसवाल ने सचिन तेंदुलकर और संजय मांजरेकर के खास क्लब में जगह बनाई

श्रीलंका के खिलाफ गाले में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में मैदान पर उतरते ही भारत के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली। यह उनके टेस्ट करियर का 30वां मुकाबला था और दिलचस्प बात यह है कि उनके ये सभी 30 टेस्ट मैच अलग-अलग स्टेडियम/वेन्यू पर खेले गए हैं। इसके साथ ही जायसवाल पूर्व भारतीय दिग्गज संजय मांजरेकर (लगातार 33 टेस्ट) और सचिन तेंदुलकर (लगातार 32 टेस्ट) के बाद लगातार इतने अलग-अलग मैदानों पर करियर के शुरुआती टेस्ट खेलने वाले भारत के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने अच्छी शुरुआत दी। हालांकि, 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेने के प्रयास में फील्डर केशाना नुवंथा से टकराकर जायसवाल फिसल गए। दोनों बल्लेबाज एक ही छोर पर पहुँच गए और जायसवाल 32 रन बनाकर दुर्भाग्यिपूर्ण तरीके से रन आउट हो गए। टेस्ट क्रिकेट में जायसवाल के करियर का यह तीसरा रन आउट था। इसके बाद केएल राहुल (82) और देवदत्त पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए 162 रनों की शानदार साझेदारी हुई। पारी के असली हीरो देवदत्त पडिक्कल रहे, जिन्होंने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ते हुए 167 रनों की मैराथन पारी खेली। उन्होंने लाहिरू कुमारा के ओवर में लगातार दो चौके लगाकर महज 134 गेंदों में अपना स्वतंत्रता दिवस शतक पूरा किया। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए सितंबर 2024 के बाद शतक जड़ने वाले वह पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। भारतीय टीम ने मैच की पहली पारी में ही श्रीलंका पर अपना दबदबा बना लिया है। टीम इंडिया ने पहली पारी में 462 रन बनाए हैं। श्रीलंकाई टीम इस मैच में काफी पीछे नजर आ रहा है।

रवींद्र जडेजा ने 350 विकेट पूरे कर लिए

रवींद्र जडेजा के लिए श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट यादगार बन गया है। बल्ले से बड़ी पारी नहीं खेल पाने के बाद जडेजा ने गेंद से ऐसी उपलब्धि हासिल कर ली, जिसने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के चुनिंदा दिग्गज ऑलराउंडरों की कतार में खड़ा कर दिया। जडेजा टेस्ट क्रिकेट में 4000 से ज्यादा रन और 350 विकेट का डबल पूरा करने वाले दुनिया के सिर्फ चौथे ऑलराउंडर बन गए हैं। भारत और श्रीलंका के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन 17 अगस्त को जडेजा ने श्रीलंका की पहली पारी में दो विकेट हासिल किए। उन्होंने धनंजय डी सिल्वा और केशरा नुवांथा को अपना शिकार बनाया। इन दो विकेट के साथ ही उनके टेस्ट करियर में विकेटों की संख्या 350 पहुंच गई। इससे पहले भारतीय पारी में जडेजा के बल्ले से 13 रन निकले थे। हालांकि, बल्लेबाजी में उनका योगदान भले ही इस मुकाबले में ज्यादा बड़ा नहीं रहा, लेकिन गेंदबाजी में दो विकेट लेते ही उन्होंने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया। जडेजा से पहले टेस्ट क्रिकेट में सिर्फ तीन ऑलराउंडर ही 4000 या उससे ज्यादा रन बनाने के साथ 350 विकेट लेने का कारनामा कर सके थे। इस खास सूची में भारत के कपिल देव, इंग्लैंड के इयान बॉथम और न्यूजीलैंड के डेनियल वेटोरी शामिल हैं। कपिल देव इस सूची में सबसे आगे हैं। उन्होंने भारत के लिए 131 टेस्ट मैचों में 5248 रन और 434 विकेट हासिल किए। वहीं, इंग्लैंड के इयान बॉथम ने 102 टेस्ट में 5200 रन और 383 विकेट अपने नाम किए हैं। न्यूजीलैंड के डेनियल वेटोरी ने 113 टेस्ट मैचों में 4531 रन और 362 विकेट लिए हैं। जडेजा ने 90 टेस्ट में ही इस मुकाम को हासिल कर लिया है। यही बात उनकी उपलब्धि को और खास बनाती है, क्योंकि इस क्लब में शामिल चारों ऑलराउंडरों में जडेजा ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 से कम टेस्ट मैच खेलकर यह उपलब्धि हासिल की है। जडेजा ने 350 विकेट का आंकड़ा छूकर भारतीय टेस्ट क्रिकेट में भी एक खास सूची में जगह बना ली है। वह टेस्ट क्रिकेट में 350 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। इस सूची में अनिल कुंबले 619 विकेट के साथ सबसे ऊपर हैं।

टेक की नौकरी छोड़ क्रिएटर बना कपल

35 लाख रुपये सालाना की टेक नौकरी छोड़ने वाले एक कपल का दावा है कि उन्होंने कंटेंट क्रिएशन से तीन साल में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की. इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में उन्होंने अपनी कमाई, ब्रांड डील्स, एफिलिएट मार्केटिंग और दूसरे इनकम सोर्स का पूरा हिसाब बताया.

सोशल मीडिया पर अक्सर लोग पूछते हैं कि आखिर कंटेंट क्रिएटर्स की कमाई कितनी होती है. अब एक कपल ने इस सवाल का जवाब अपनी पूरी इनकम डिटेल्स के साथ दिया है.

टेक सेक्टर की लाखों रुपये की नौकरी छोड़ने वाले इस कपल का दावा है कि उन्होंने कंटेंट क्रिएशन से तीन साल में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की. मुस्कान मित्तल और आशीष गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी टेक जॉब से लेकर फुल-टाइम कंटेंट क्रिएटर बनने तक का सफर बताया.

उनका कहना है कि पिछले तीन साल में हजारों लोगों ने उनसे पूछा कि वे ट्रैवल और कंटेंट क्रिएशन का खर्च कैसे उठाते हैं. इसी वजह से उन्होंने पहली बार अपनी कमाई का पूरा ब्योरा सार्वजनिक किया. वीडियो में आशीष गुप्ता ने बताया कि कंटेंट क्रिएशन शुरू करने से पहले वह डेटा एनालिस्ट थे और उनकी इन-हैंड सैलरी करीब 12 लाख रुपये सालाना थी.

वहीं मुस्कान मित्तल सॉफ्टवेयर डेवलपर थीं और उन्हें करीब 23 लाख रुपये सालाना मिलते थे. यानी दोनों की संयुक्त सालाना आय करीब 35 लाख रुपये थी. ऐसे हुई कंटेंट क्रिएशन की शुरुआत

वीडियो हो रहा वायरल

मुस्कान और आशीष का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. कई यूजर्स उनकी पारदर्शिता की तारीफ कर रहे हैं, जबकि कुछ लोगों का कहना है कि कंटेंट क्रिएशन में इतनी सफलता हर किसी को नहीं मिलती. फिलहाल, कपल की ओर से साझा किए गए इनकम के आंकड़ों का स्वतंत्र रूप से सत्यापन नहीं हुआ है.

कपल के मुताबिक, मई 2023 में उन्होंने ट्रैवल से जुड़े वीडियो बनाना शुरू किया. वियतनाम ट्रिप का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसे 20 हजार से ज्यादा व्यूज मिले. इसके बाद उन्होंने नियमित रूप से ट्रैवल, रिलेशनशिप और हेल्थ से जुड़ा कंटेंट पोस्ट करना शुरू कर दिया.

करीब एक दशक से चल रही कानूनी लड़ाई अब अपने सबसे बड़े मोड़ पर पहुंचती दिख रही है. अमेरिकी हेल्थकेयर कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन (जेएंडजे) ने घोषणा की है कि वह अपने बेबी पाउडर और अन्य टैल्क उत्पादों को लेकर दायर हजारों मुकदमों के निपटारे के लिए 5.5 अरब डॉलर (करीब 52 हजार करोड़ रुपये) का भुगतान करेगी. हालांकि, सबसे अहम बात यह है कि कंपनी ने यह नहीं माना है कि उसके टैल्क उत्पादों से कैंसर होता है. जेएंडजे का कहना है कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं.

जापानी युवक का वीडियो वायरल

लाखों रूपए खर्च कर शख्स बना कुत्ता?

जापान के टोको नाम के शख्स की कुत्ते जैसी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे. दावा किया गया कि उसने कुत्ता बनने के लिए 220 करोड़ रुपये खर्च किए. हालांकि टोको ने करीब 20 लाख येन यानी 11-12 लाख रुपये खर्च किए थे.

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक अजीबोगरीब दावा तेजी से वायरल हो रहा है. कहा जा रहा है कि जापान के एक करोड़पति ने खुद को कुत्ते जैसा दिखाने के लिए करीब 220 करोड़ रुपये खर्च कर दिए.

दावा है कि उसने कई तरह की सर्जरी और प्रक्रियाओं के जरिए अपना पूरा रूप बदल लिया. वीडियो और तस्वीरें देखने के बाद लोग भी हैरान हैं कि आखिर कोई इंसान कुत्ता बनने के लिए इतनी बड़ी रकम क्यों खर्च करेगा. लेकिन इस वायरल दावे की कहानी कुछ अलग है.

यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में जो दिखाया गया है, उसे देखकर कई लोग इसे AI से बनाया गया वीडियो बता रहे हैं. हालांकि, वीडियो की सच्चाई को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं. उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक जापान के जिस शख्स की तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे, उसका नाम टोको है. उसने खुद को कुत्ता बनाने के लिए कोई सर्जरी नहीं करवाई थी. बल्कि उसने एक बेहद खास और असली दिखने वाली कुत्ते की ड्रेस तैयार करवाई थी. जापान के टोको को बचपन से ही जानवरों से खास लगाव था. उसका सपना था कि वह कुछ समय के लिए जानवरों जैसा जीवन महसूस करे.

आखिर कुत्ता ही क्यों बनना चाहता था?

यह वीडियो जुलाई 2023 में काफी वायरल हुआ था. टोको के मुताबिक उसे बचपन से ही जानवर पसंद थे. खास तौर पर उसे प्यारे और चार पैरों वाले जानवर आकर्षित करते थे. इसलिए उसने इंसान की जगह कुत्ते का रूप चुनने का फैसला किया. उसने बॉर्डर कॉली को इसलिए भी चुना क्योंकि इस नस्ल के कुत्तों के शरीर पर लंबे और घने बाल होते हैं. इससे इंसानी शरीर को कॉस्ट्यूम के अंदर छिपाना आसान हो जाता है और पूरा लुक ज्यादा असली दिखाई देता है. टोको की यह कहानी सिर्फ कुत्ते तक सीमित नहीं है. बाद की रिपोर्ट में उसने बताया था कि वह भविष्य में दूसरे जानवरों का रूप भी आजमाना चाहता है.

जलभराव पर महिला का तंज, नाव लेकर निकलना था

दिल्ली-एनसीआर में बारिश शुरू होते ही जलभराव की समस्या फिर सुर्खियों में आ गई है. पिछले कुछ दिनों से गुरुग्राम और दिल्ली की पानी से लबालब सड़कों के वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. अब नोएडा का एक वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला ने बारिश के बाद सड़क की हालत दिखाते हुए शहर के ड्रेनेज सिस्टम पर सवाल उठाए हैं. वायरल वीडियो नोएडा के सेक्टर-18 का बताया जा रहा है.

मलेरिया की चपेट में आए पुलकित सम्राट, 2.5 किलो मसल मास घटा

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक व्यक्तिगत और चिंताजनक अपडेट साझा किया है। अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए खुलासा किया कि वह हाल ही में मलेरिया की चपेट में आ गए थे, जिसने उनके शरीर और फिटनेस को काफी नुकसान पहुँचाया है। बीमारी के कारण न केवल उनके शरीर की ताकत कम हुई है, बल्कि उनके मसल मास में भी गिरावट आई है। हालांकि, इस कठिन समय के बावजूद पुलकित का हौसला बुलंद है और वे जल्द ही अपनी पुरानी फिटनेस हासिल करने को लेकर बेहद सकारात्मक नजर आ रहे हैं।पुलकित ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर बिस्तर पर लेटे हुए अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने बीमारी से हुए शारीरिक नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि मलेरिया ने उनकी उम्मीद से ज्यादा उनके शरीर को प्रभावित किया है। इस बीमारी की वजह से उन्होंने लगभग 2.5 किलोग्राम मसल मास खो दिया है और शारीरिक ताकत में भी भारी गिरावट आई है। हालांकि, अभिनेता ने अपने प्रशंसकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे अपने शरीर की क्षमता को अच्छी तरह जानते हैं और इसे पहले भी तराश चुके हैं, इसलिए वे फिर से कड़ी मेहनत कर अपनी फिटनेस हासिल कर लेंगे। काम के मोर्चे पर, पुलकित सम्राट हाल के दिनों में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आए हैं। हाल ही में रिलीज़ हुई निर्देशक होमी अदजानिया की फिल्म 'कॉकटेल 2' में वे एक विशेष भूमिका (कैमियो) में दिखे थे, जिसमें शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में थे। मुख्य अभिनेता के रूप में उनकी आखिरी सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म विपुल विग द्वारा निर्देशित 'राहु-केतु' थी, जिसमें शालिनी पांडे, वरुण शर्मा और चंकी पांडे ने अहम किरदार निभाए थे।फिल्मों के अलावा पुलकित ने डिजिटल स्पेस में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। वे नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय स्पोर्ट्स ड्रामा सीरीज 'ग्लोरी' में नजर आए थे। करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित इस सीरीज में दिव्येंदु, सुविंदर विक्की, आशुतोष राणा और सयानी गुप्ता जैसे दिग्गज कलाकारों ने काम किया है। प्रति स्पर्धात्मक खेल के पीछे की भाव नात्मक कड़वाहट को दर्शाती इस सीरी ज में पुलकित की अदाकारी और सीरी ज की कहानी को दर्शकों तथा समीक्ष कों से काफी सराहना मिली है। फिलहाल प्रशंसक अभिनेता के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

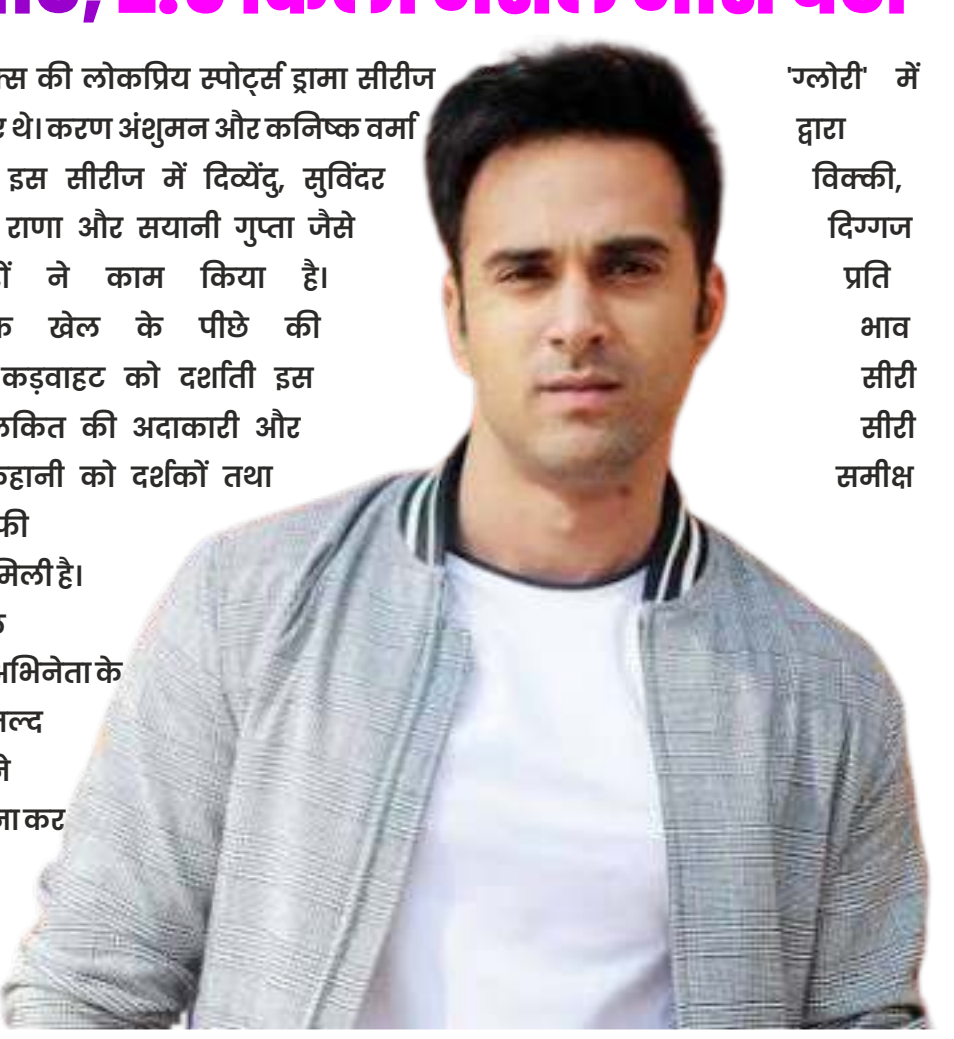

पेंट फैक्ट्री में आग से हड़कंप, कोई हताहत नहीं

दमकल की 8 गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे में बुझाया

आलमबाग थाना क्षेत्र के तालकटोरा इंडस्ट्रियल एरिया में शनिवार देर रात ईगल पेंट फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री से उठ रहीं आग की ऊंची-ऊंची लपटों और घने धुएं ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया।हालात उस समय और गंभीर हो गए, जब दमकल कर्मियों को पता चला कि आग के नजदीक पेट्रोल, केरोसिन और पेंट से भरे कंटेनर रखे हुए हैं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने बिना देर किए मोर्चा संभाल लिया। रात 10:32 बजे फायर स्टेशन आलमबाग को आग लगने की सूचना मिली। दमकलकर्मियों ने सबसे पहले आग के आसपास रखे कंटेनरों को सुरक्षित रखने पर ध्यान दिया। फैक्ट्री के जिस हिस्से में आग लगी थी, उसके आसपास पेट्रोल, केरोसिन और पेंट के कंटेनर मौजूद थे। आग अगर इन कंटेनरों तक पहुंचती तो स्थिति और भी भयावह हो सकती थी। दमकल कर्मियों ने खतरे को भांपते हुए सबसे पहले कंटेनरों को ठंडा रखने के लिए उन पर लगातार पानी की बौछार शुरू की। इसके साथ ही आग को फैलने से रोकने के लिए चारों तरफ से घेराबंदी कर फायर फाइटिंग शुरू की गई। फैक्ट्री के आसपास की स्थिति को देखते हुए बगल की फैक्ट्री की छत को भी फायर फाइटिंग के लिए इस्तेमाल किया गया। दमकलकर्मी छत पर पहुंचे और वहां से आग के मुख्य बिंदु पर फोम की बौछार शुरू की। नीचे से पानी और ऊपर से फोम की बौछार के बीच आग को चारों तरफ से घेरने का प्रयास किया गया। आग की भयावहता को देखते हुए आलमबाग के अलावा अन्य फायर स्टेशनों से भी दमकल की गाड़ियां मौके पर बुला ली गईं। सरोजनीनगर से एक, पीजीआई से एक, चौक से दो और हजरतगंज से दो फायर टैंकर घटनास्थल पर पहुंचे। चौक फायर स्टेशन से प्रभारी अग्निशमन अधिकारी पुष्पेंद्र यादव की अगुआई वाली दमकल टीम ने मोर्चा संभाला। कुल आठ फायर टैंकरों से आग बुझाई जाने लगी। फैक्ट्री के अंदर हालात बेहद मुश्किल थे। पूरा परिसर धुएं से भर चुका था और आग के कारण अंदर का तापमान भी काफी बढ़ गया था। इसके बावजूद दमकल कर्मियों ने हिम्मत नहीं छोड़ी। बीए सेट पहनकर दमकलकर्मी अपनी जान जोखिम में डालते हुए बेसमेंट में दाखिल हुए। टीम ने अंदर पहुंचकर आग के मुख्य स्रोत को तलाशा और वहां पानी व फोम की बौछार कर आग को बुझाने का अभियान जारी रखा। बाहर से लगातार पानी की बौछार और अंदर से की गई फायर फाइटिंग के चलते धीरे-धीरे आग की लपटें कमजोर पड़ने लगीं। दमकल कर्मियों की कड़ी मेहनत और समन्वित कार्रवाई के बाद करीब डेढ़ घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की यूनिट भी मौके पर पहुंची। टीम ने स्थिति का जायजा लिया और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रही। पुलिस ने भी मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी, ताकि आग बुझाने के अभियान के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति न हो। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। अग्निशमन विभाग की ओर से फैक्ट्री में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। ईगल पेंट फैक्ट्री में पेट्रोल, केरोसिन और पेंट जैसे ज्वलनशील पदार्थों की मौजूदगी के बीच लगी आग ने दमकल विभाग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी। यदि आग इन कंटेनरों तक पहुंच जाती तो हालात बेहद गंभीर हो सकते थे। दमकल कर्मियों ने पहले कंटेनरों को ठंडा किया और फिर आग के मुख्य हिस्से पर फोम से हमला कर उसे नियंत्रित किया। समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से एक बड़े हादसे की आशंका टल गई। फिलहाल आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। आग से फैक्ट्री में कितना नुकसान हुआ, इसका आकलन किया जा रहा है। पुलिस और संबंधित विभाग पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रहे हैं। ईगल पेंट फैक्ट्री आलमबाग थाना क्षेत्र के तालकटोरा इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित है। फैक्ट्री के मालिक अंकुश अग्रवाल पुत्र सुरेश चंद्र अग्रवाल बताए गए हैं।

गुमटी का ताला तोड़कर चोरी

जानकीपुरम थाना क्षेत्र में मड़ियांव गांव रोड स्थित सुलभ शौचालय के पास पान की गुमटी में अज्ञात चोर ने सेंध लगाकर करीब 15 हजार रुपये नकद और सिगरेट चोरी कर ली। घटना 15 और 16 अगस्त की मध्यरात्रि करीब एक बजे से चार बजे के बीच की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार मड़ियांव गांव रोड स्थित सुलभ शौचालय के पास नीरज गुप्ता द्वारा पान की गुमटी संचालित की जाती है। 16 अगस्त को थाना कार्यालय पर सूचना मिली कि रात के समय अज्ञात चोर ने गुमटी को निशाना बनाया। चोर गुमटी से करीब 15 हजार रुपये नकद और सिगरेट चोरी कर फरार हो गया।घटना की सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके साथ ही पुलिस ने घटनास्थल से उपलब्ध साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी है। अज्ञात चोर की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा पतारसी-सुरागरसी की जा रही है।पुलिस का कहना है कि मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रकरण में नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

डाला ने बस में मारी टक्कर, चार घायल

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम

-बस कंडक्टर ट्रामा सेंटर रेफर

भतोइया में रविवार सुबह डाला और बस की टक्कर में चार लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलिहाबाद भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद बस कंडक्टर की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए केजीएमयू के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया।पुलिस के अनुसार 16 अगस्त 2026 को सुबह करीब 10 बजे ग्राम भतोइया में डाला और बस के बीच दुर्घटना की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि डाला संख्या यूपी 30 आरएन 6034 लखनऊ की ओर से हरदोई जा रहा था। इसी दिशा में बस संख्या यूपी 30 3535 भी लखनऊ से हरदोई की ओर जा रही थी। इसी दौरान डाला चालक ने बस में पीछे से टक्कर मार दी।हादसे में बस कंडक्टर विकास गुप्ता उर्फ सुदामा, निवासी कस्बा मलिहाबाद, लखनऊ और डाला चालक विपिन, निवासी हरदोई गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं डाले में सवार अजय और सहारे को भी चोटें आई हैं। सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से सीएचसी मलिहाबाद पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बस कंडक्टर विकास गुप्ता उर्फ सुदामा को बेहतर उपचार के लिए ट्रामा सेंटर, केजीएमयू रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके पर कानून-व्यवस्था होने के साथ यातायात भी सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पिता पर जानलेवा हमला करनेवाला बेटा गिरफ्तार, चाकू बरामद

मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के उत्तरगांव में पारिवारिक विवाद के दौरान बेटे ने अपने पिता पर चाकू से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने फरार बेटे को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया जिस पर खून के सूखे धब्बे पाए गए हैं। विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक बीते 14 अगस्त 2026 को सावित्री देवी पत्नी बाबूलाल, निवासी उत्तरगांव ने पुलिस को सूचना दी कि शाम करीब चार बजे उनके पति जो कि कबाड़ी की दुकान पर बैठे थे। उसी दौरान उनके पुत्र शिव कुमार उर्फ गड्डू ने चाकू से पिता की गर्दन पर दो वार कर मरणासन्न कर मौके से फरार हो गया था। घायलावस्था में उन्हें विद्या हास्पिटल हरिकंशगढ़ी में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

अवैध अंग्रेजी शराब बेचने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर चौक पुलिस द्वारा चलाए जा रहे संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग अभियान के दौरान अवैध रूप से अंग्रेजी शराब रखने और उसकी बिक्री करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 बोतल अंग्रेजी शराब और दो हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। तीनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार 15 अगस्त 2026 को प्रभारी निरीक्षक चौक के नेतृत्व में क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग तथा गश्त की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग नानावेज चौराहे के सामने स्थित गली में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब रखकर बिक्री कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और तीन संदिग्धों को पकड़ लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विजय बहादुर उर्फ खुशीराम, निवासी काशी विहार दौलतगंज थाना ठाकुरगंज, उम्र करीब 35 वर्ष, सिकन्दर, मूल निवासी बरामदपुर लौहरा थाना महरूआ जनपद अम्बेडकरनगर तथा वर्तमान निवासी काशी विहार दौलतगंज थाना ठाकुरगंज, अखिलेश निषाद, के रूप में हुई है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक नागेश उपाध्याय, चौकी प्रभारी चौक उपनिरीक्षक जयकृष्ण द्विवेदी, उपनिरीक्षक मनोज कुमार पाण्डेय तथा कांस्टेबल परम सिंह शामिल रहे।

देशभक्ति के रंग में रंगा उन्नाव, शान से लहराया तिरंगा

-स्कूलों से लेकर कलेक्ट्रेट तक गूंजे देशभक्ति के स्वर, अमर शहीदों को नमन कर लिया राष्ट्र निर्माण का संकल्प

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। जिले में 80वां स्वतंत्रता दिवस शनिवार को उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कलेक्ट्रेट से लेकर शिक्षण संस्थानों तक ध्वजारोहण के साथ अमर शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि दी गई। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक और भाषण प्रस्तुत कर लोगों में राष्ट्रप्रेम का भाव जगाया। इस दौरान वक्ताओं ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया।

कलेक्ट्रेट में डीएम ने किया ध्वजारोहण

कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने गरिमामय माहौल में ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सामूहिक गायन भी हुआ। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डीएम ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन करते हुए जनपदवासियों और अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि इसके साथ कर्तव्यों की जिम्मेदारी भी जुड़ी है। देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि 80 वर्षों में भारत ने कृषि, अंतरिक्ष, विज्ञान, शिक्षा और स्वास्थ्य समेत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है और आज विश्व पटल पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

डीएम ने विकसित भारत के संकल्प को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। प्रशासन का प्रयास है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, न्यायिक अमिताभ यादव और सिटी मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह ने भी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। श्याम कुमारी सेठ इंटर कॉलेज की छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। डीएम ने छात्राओं को उपहार देकर प्रोत्साहित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

स्कूलों में बच्चों ने बिखेरी देशभक्ति की छटा

महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल, कोईथर में प्रबंधक शत्रुघ्न सिंह ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने कहा कि देश को आजादी हजारों-लाखों देशभक्तों के बलिदान से मिली है। अब आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। कार्यक्रम में शालिनी सिंह, सावित्री सिंह, प्रधानाचार्य नीरज द्विवेदी, साधना सिंह, रूपा सिंह, सोनम समेत शिक्षक, छात्र-छात्राएं और अभिभावक मौजूद रहे।

गुरु नानक पब्लिक इंटर कॉलेज में भी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इंद्रजीत सिंह ने ध्वजारोहण किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देशभक्ति नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान अरविंदर सिंह विशेष अतिथि रहे। प्रबंधक सतविंदर सिंह अरोड़ा ने देश के प्रति निष्ठावान रहने का संदेश दिया। प्रधानाचार्य राम प्रकाश दीक्षित ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बच्चों से माता-पिता, गुरुजनों और बुजुर्गों का सम्मान करने का संकल्प कराया। कार्यक्रम के अंत में मिष्ठान वितरण किया गया।

फैंसी ड्रेस में दिखे स्वतंत्रता सेनानी

डिवाइन मिशन एंड डॉन बॉस्को स्कूल, कल्याणी देवी में प्रधानाचार्या प्रतिमा सहाय, निदेशक शिवानी सहाय, प्रबंधक शतायु सहाय और मुख्य अतिथि सुरेंद्र वर्मा ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। विद्यार्थियों ने ओ देश मेरे और देश रंगीला जैसे गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

फैंसी ड्रेस और देशभक्ति नाट्य मंचन कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों का रूप धारण कर उनके त्याग और योगदान को जीवंत किया। अमायरा और अंशिका के अभिनय को विशेष सराहना मिली। प्रधानाचार्या प्रतिमा सहाय ने विद्यार्थियों से राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, ईमानदारी और सेवा भाव को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। निदेशक शिवानी सहाय ने शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों और संविधान के आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा दी।

शहीद गुलाब सिंह लोधी को किया नमन

मिथलेश कुमारी सुंदर लाल लोधी इंटर कॉलेज, नवाबगंज में स्वतंत्रता दिवस पर मुख्य अतिथि सेनानायक मेजर वीरेंद्र कुमार यादव ने ध्वजारोहण किया। संस्थापक एवं पूर्व विधायक सुंदर लाल लोधी, प्रबंधक भूपेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष राम गोपाल लोधी, सदस्य महादेव यादव और प्रधानाचार्य पारथ सिंह ने स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी एवं संस्थापिका स्व. मिथिलेश कुमारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

संस्थापक सुंदर लाल लोधी ने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने तथा शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि मेजर वीरेंद्र कुमार यादव ने विद्यार्थियों को देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और विनम्रता का भाव रखने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य पारथ सिंह ने अंग्रेजी में संबोधन करते हुए स्वतंत्रता, शिक्षा और न्याय के अधिकारों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समापन पर मिष्ठान वितरित किया गया।

अटल के विचारों से राजनीति में आया, भाजपा का हर कार्यकर्ता उनका परिवार- साक्षी महाराज

नवाबगंज ब्लाक में अटल की पुण्यतिथि और रानी अवंतीबाई की जयंती पर कार्यक्रम, सांसद ने प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) नवाबगंज उन्नाव। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि एवं वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती के अवसर पर रविवार को विकासखंड नवाबगंज परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उन्नाव सांसद डॉ. सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज ने अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं रानी अवंतीबाई लोधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

सांसद साक्षी महाराज ने अटल बिहारी वाजपेयी से जुड़े संस्मरण साझा करते हुए कहा कि उन्हें राजनीति में लाने का श्रेय अटल जी को जाता है। उन्होंने कहा कि अटल जी का भाषण सुनने के लिए लोग घंटों इंतजार करते थे। उनके व्यक्तित्व और राजनीतिक जीवन में ऐसी गरिमा थी कि विरोधी भी उन पर अंगुली नहीं उठा पाते थे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा से जुड़ा प्रत्येक व्यक्ति सौभाग्यशाली है। भाजपा का सदस्य होना अटल बिहारी वाजपेयी के परिवार का सदस्य होने जैसा है। उनके विचार और आदर्श आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

सांसद ने वीरांगना रानी अवंतीबाई के संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस दौर में अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाने का साहस बहुत कम लोग जुटा पाते थे, उस समय रानी अवंतीबाई ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ मोर्चा संभाला। उन्होंने 56 पुड़ियां तैयार कर मध्य प्रदेश के 56 राजाओं तक संदेश पहुंचाया और अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध में सहयोग के लिए उन्हें प्रेरित किया। उनका साहस और राष्ट्रभक्ति आज भी प्रेरणा देती है।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी और मोहान विधायक बृजेश रावत ने भी अटल बिहारी वाजपेयी तथा रानी अवंतीबाई के जीवन और संघर्ष से जुड़े संस्मरण साझा किए। वक्ताओं ने दोनों विभूतियों के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

यूपी में स्टार्टअप को योगी सरकार का बड़ा तोहफा 3 साल तक EPF-ESI देगी सरकार

योगी सरकार की नई स्टार्टअप नीति के तहत शुरुआती तीन साल तक कंपनियों के कर्मचारियों के EPF-ESI में नियोक्ता का हिस्सा सरकार उठाएगी।स्टार्टअप को दो करोड़ रुपये तक के सावधि ऋण पर तीन साल तक 4% वार्षिक ब्याज सब्सिडी और पेटेंट खर्च के लिए 50 लाख रुपये तक की मदद मिलेगी।सरकार का लक्ष्य स्टार्टअप को कारोबार में बदलने, रोजगार बढ़ाने और उत्तर प्रदेश में मजबूत औद्योगिक एवं नवाचार इकोसिस्टम तैयार करना है।

उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं और कंपनियों के लिए योगी सरकार ने कई बड़ी सुविधाओं का ऐलान किया है। नई स्टार्टअप नीति के तहत शुरुआती तीन साल तक कर्मचारियों के ईपीएफ और ईएसआई (EPF-ESI) का कंपनी की ओर से दिया जाने वाला पैसा सरकार देगी। इसके अलावा पेटेंट कराने पर होने वाले खर्च में 50 लाख रुपये तक की मदद भी दी जाएगी। सरकार का फोकस नए कारोबार शुरू करने के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाने पर है। राज्य सरकार अब स्टार्टअप कंपनियों के कर्मचारियों के EPF और ESI में कंपनी की ओर से दिया जाने वाला पैसा देगी। यह सुविधा स्टार्टअप शुरू होने के शुरुआती तीन साल तक मिलेगी। कंपनी के आत्मनिर्भर होने के बाद नियोक्ता को यह हिस्सा खुद देना होगा। सरकार का मानना है कि इस कदम से स्टार्टअप कंपनियों में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और ज्यादा युवाओं को नौकरी के अवसर मिलेंगे। स्टार्टअप शुरू करने या उसे आगे बढ़ाने के लिए, लिए गए सावधि ऋण पर सरकार ब्याज सब्सिडी भी देगी। राष्ट्रीयकृत बैंकों से लिए गए कर्ज पर 4 प्रतिशत सालाना की दर से या वास्तविक ब्याज दर, जो भी कम हो, उसके आधार पर सब्सिडी मिलेगी। यह सुविधा अधिकतम तीन साल की अवधि के लिए दो करोड़ रुपये तक के ऋण पर दी जाएगी। EPF और ESI की सुविधा लेने के लिए स्टार्टअप का Startinup पोर्टल पर पंजीकृत होना जरूरी होगा। इसका लाभ केवल उत्तर प्रदेश में शुरू किए गए स्टार्टअप को ही मिलेगा। हर कर्मचारी के लिए कंपनी की ओर से दिया जाने वाला पैसा 21 हजार रुपये से कम होना चाहिए। कर्मचारियों की जानकारी EPFO और ESI के जरिए जांची जाएगी। कर्मचारी का नाम कंपनी की वेतन सूची में होना जरूरी है। यह सुविधा कंपनी शुरू होने के पहले तीन साल तक ही मिलेगी और इसी दौरान इसके लिए आवेदन करना होगा। qनई स्टार्टअप नीति के तहत युवाओं को अपने आइडिया को कारोबार में बदलने के लिए कई स्तर पर मदद दी जाएगी। इसमें इंक्यूबेशन, मेंटरशिप और प्रोटोटाइप तैयार करने से लेकर पेटेंट कराने तक की सहायता शामिल है। पेटेंट कराने के खर्च में 50 लाख रुपये तक की भरपाई का प्रावधान किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि स्टार्टअप केवल आइडिया तक सीमित न रहें, बल्कि व्यावसायिक उत्पादन शुरू करें। इससे रोजगार बढ़ने के साथ प्रदेश में छोटे-बड़े उद्योगों की पूरी श्रृंखला तैयार होने की उम्मीद है। नई नीति में स्टार्टअप कंपनियों को तीन शिफ्ट में काम करने की अनुमति देने का भी प्रावधान है। इसमें रात की शिफ्ट में महिलाओं के काम करने की व्यवस्था भी शामिल है। हालांकि, ऐसी इकाइयों को कर्मचारियों की सुरक्षा और कल्याण से जुड़ी सभी जरूरी सावधानियां बरतनी होंगी। कंपनियों को श्रम कानूनों के तहत जरूरी स्वास्थ्य और कल्याण सुविधाएं भी देनी होंगी। इसके लिए सक्षम अधिकारी से मंजूरी लेना जरूरी होगा। आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इसके परिणाम जल्द देखने को मिलेंगे। इस समय उत्तर प्रदेश में करीब 20 हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हैं। जब इन स्टार्टअप में व्यावसायिक उत्पादन शुरू होगा तो प्रदेश में उद्योगों की बड़ी चेन खड़ी हो सकती है।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने युवाओं के मुद्दे पर प्रक्रिया को तेज करने का निर्णय लिया

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार छात्र और युवाओं से जुड़े मामलों को लेकर सक्रियता बढ़ाती दिख रही है। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को काफी नुकसान पहुंचाया था। यूपी चुनाव 2027 से पहले सरकार किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं चाह रही है। साथ ही, हाल के समय में जेन-जी ने जिस प्रकार से रोजगार के मुद्दों को जोर-शोर से उठाया है। उस प्रकार की स्थिति से बचने के लिए सरकार पहले से एक्शन मोड में है। यूपी सरकार के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने प्रदेश के विभिन्न चयन आयोगों और भर्ती बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें नियुक्ति प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने बैठक में कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। प्रदेश में विभिन्न चयन परीक्षाओं को पूरी तरह से समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा कराना हमारा प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए। मुख्य सचिव ने साफ किया कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए सभी चयन संस्थाओं को अपनी स्वायत्तता और नियमों का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रियाओं को तेजी से आगे बढ़ाना चाहिए। मुख्य सचिव ने सभी चयन परीक्षाओं के आयोजन, परिणाम घोषित करने, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और अंतिम नियुक्ति से जुड़ी प्रक्रियाओं के लिए वार्षिक कैलेंडर का कड़ाई से पालन के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में पूरी तरह से पारदर्शिता, शुचिता और निष्पक्षता होनी चाहिए। आधुनिक तकनीकी संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करके परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनाया जाए। अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

वाराणसी में गंगा का बढ़ता जलस्तर,आरती का स्थान बदलना पड़ा

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा का बढ़ता जलस्तर अब घाटों की रौनक और धार्मिक आयोजनों के स्वरूप पर भी असर डालने लगा है। दशाश्वमेध घाट की सीढ़ियों तक पहुंच चुका गंगा का पानी देखते ही देखते उस जगह तक आ गया, जहां हर शाम हजारों श्रद्धालु विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती के साक्षी बनते हैं। ऐसे में सुरक्षा को देखते हुए एक बार फिर आरती का स्थान बदलना पड़ा। इस साल पांचवीं बार मां गंगा की आरती घाट से हटाकर छत पर कराई गईदशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि की ओर से होने वाली आरती अब घाट के बजाय गंगा सेवा निधि कार्यालय की छत पर संपन्न कराई जा रही है। सोमवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाट पर मौजूद रहे। हालांकि, पानी बढ़ने के कारण आरती के लिए उपलब्ध स्थान लगातार कम होता जा रहा था। श्रद्धालुओं की भीड़ और सीमित जगह को देखते हुए आयोजकों ने छत पर आरती कराने का फैसला लिया। गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्रा ने बताया कि हर साल की भांति इस साल भी मां गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। जलस्तर काफी ऊपर आ गया है। सुरक्षा को देखते हुए घाट पर स्थान कम होने के साथ ही काफी सीमित हो गया, जगह छोटी पड़ रही थी, लेकिन भीड़ काफी हो रही थी। इसलिए मां गंगा की आरती गंगा सेवा निधि कार्यालय की छत पर कराने का निर्णय लिया गया है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने भी एहतियाती कदम उठाए हैं। दशाश्वमेध के एसीपी डॉ. अतुल अंजन त्रिपाठी के अनुसार, जल पुलिस की रिपोर्ट में शनिवार सुबह यानी 15 अगस्त को गंगा का जलस्तर 64 मीटर के पार चला गया था। जलस्तर काफी तेजी से बढ़ रहा था। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने अगले आदेश तक गंगा में नावों के संचालन पर रोक लगा दी है। घाटों पर निगरानी बढ़ाई गई है और नाविकों से सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की गई है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी गहरे पानी की ओर न जाने की सलाह दी गई है।

जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंधों के आरोप में 24 वर्षीय मोहम्मद जफर गिरफ्तार

यूपी एटीएस ने पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंधों के मामले में 24 वर्षीय मोहम्मद जफर को गिरफ्तार किया है। एटीएस के मुताबिक, बिहार के पूर्णिया का रहने वाला जफर कुछ समय मेरठ के एक मदरसे में पढ़ा था। जांच एजेंसी अब उसके सोशल मीडिया संपर्कों, कथित फंडिंग और पाकिस्तान से जुड़े ऑनलाइन नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। एटीएस का दावा है कि जफर जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के भाषणों और विचारों से प्रभावित था। आरोप है कि वह सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथी और हिंसक विचारों वाली सामग्री लोगों तक पहुंचाता था। उसके मोबाइल फोन की जांच के दौरान पाकिस्तान से जुड़े कुछ व्हाट्सऐप ग्रुप मिलने की बात भी एजेंसी ने कही है। जांच एजेंसी के अनुसार, जफर कथित तौर पर मदरसे के नाम पर लोगों से चंदा जुटाता था। एटीएस को शक है कि इस रकम का कुछ हिस्सा पाकिस्तान में मौजूद आतंकी नेटवर्क तक पहुंचाया जाता था। अब जांच का अहम हिस्सा यह पता लगाना है कि कथित तौर पर जुटाई गई रकम कहां से आई, उसका इस्तेमाल किस तरह किया गया और क्या इसमें कोई अन्य व्यक्ति या नेटवर्क भी शामिल था। इन बिंदुओं पर एजेंसी पूछताछ कर रही है। एटीएस के मुताबिक, जफर के मोबाइल में ऐसे व्हाट्सऐप ग्रुप मिले हैं, जिनमें कथित तौर पर जेहाद और चंदे से संबंधित बातचीत होती थी। जांच एजेंसी यह भी कह रही है कि वह फेसबुक पर चेहरा ढककर जेहाद और खिलाफत से जुड़े बयान पोस्ट करता था।
एजेंसी अब उसके डिजिटल फुटप्रिंट की जांच कर रही है। इसमें सोशल मीडिया अकाउंट, ऑनलाइन संपर्क, ग्रुप में हुई बातचीत और दूसरे डिजिटल साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है।